प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, एस.बी.एस.मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001
Department of Communication, Central Office, S.B.S.Marg, Fort, Mumbai-400001
फोन/Phone: 022- 22660502

आज़ादी का अमृत महोत्सव

30 दिसंबर 2021

तिमाही बीएसआर-1: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का बकाया ऋण – सितंबर 2021

आज, भारतीय रिज़र्व बैंक ने 'तिमाही आधारभूत सांख्यिकी विवरणियाँ (बीएसआर)-1: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का बकाया ऋण, सितंबर 2021' शीर्षक से अपना वेब प्रकाशन, अपने भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस (डीबीआईई) नामक पोर्टल (वेब-लिंक: https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=publications#!12) पर जारी किया। इसमें बैंक ऋण की विभिन्न विशेषताओं जैसे व्यवसाय/गतिविधि और उधारकर्ता के संगठनात्मक क्षेत्र, खाते के प्रकार और ब्याज दरों को शामिल किया जाता है । 89 एससीबी (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर) द्वारा रिपोर्ट किए गए आंकड़े, बैंक समूहों, जनसंख्या समूहों और राज्य-वार प्रस्तुत किए गए हैं[1]।

मुख्य बातें:

- बैंक की ऋण वृद्धि व्यक्तिगत ऋणों में वृद्धि से संचालित रही, जो सितंबर 2021 में कुल ऋण का 27.4 प्रतिशत थी, जोकि एक वर्ष पहले 25.0 प्रतिशत और पांच वर्ष पहले 19.3 प्रतिशत थी ।

- बैंक ऋण के लिए औद्योगिक क्षेत्र की मांग कोविड-19 महामारी के दौरान कम हुई; बकाया ऋण में इसका हिस्सा सितंबर 2021 में घटकर 28.0 प्रतिशत रह गया, जो एक वर्ष पहले 29.9 प्रतिशत था।

- चूंकि बैंक ऋण के लिए निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की मांग में कमी जारी रही और घरेलू क्षेत्र[2] का ऋण में हिस्सेदारी और बढ़ गई, अतः अपेक्षाकृत छोटे आकार के ऋणों (एक करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा वाले) वाले उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी एक वर्ष पहले के 44.4 प्रतिशत और पांच वर्ष पहले के 37.1 प्रतिशत की तुलना में कुल ऋण का 47.2 प्रतिशत हो गई ।

- सितंबर 2021 में कुल ऋण में महिला व्यक्तिगत उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी राशि के मामले में 9.8 प्रतिशत रही और ऋण खातों की संख्या में 31.3 प्रतिशत रही; पिछले एक वर्ष (सितंबर 2020 की तुलना में सितंबर 2021) के दौरान वृद्धिशील ऋण में उनकी हिस्सेदारी ऋण राशि में 20.5 प्रतिशत और खातों की संख्या के मामले में 44.8 प्रतिशत पर उच्च बनी रही।

---

[1] सितंबर 2021 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के लिए पाक्षिक फॉर्म-ए रिटर्न (आरबीआई अधिनियम 1934 की धारा 42 (2) के तहत संकलित) पर आधारित सकल डेटा का प्रकाशन पहले हमारी वेबसाइट (होम> सांख्यिकी> जारी आंकड़े>पाक्षिक-भारत में अनुसूचित बैंकों की स्थिति का विवरण) पर किया गया था और सितंबर 2021 के एससीबी के जमा और ऋण पर अलग-अलग सांख्यिकी पहले भी (होम> सांख्यिकी> जारी आंकड़े> तिमाही> एससीबी के जमा और ऋण संबंधी तिमाही सांख्यिकी) पर जारी किए गए थे।

[2] घरेलू क्षेत्र में व्यक्तिगत, मालिकाना संस्थाओं, हिन्दू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ़) और भागीदारी फर्मों सहित अन्य शामिल हैं।

- निजी क्षेत्र के बैंकों ने ऋण विस्तार में अग्रणी बने रहना जारी रखा और सितंबर 2021 में कुल ऋण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 37.5 प्रतिशत कर दी, जो एक वर्ष पहले 35.9 प्रतिशत और पांच साल पहले 26.4 प्रतिशत थी।

- बकाया ऋण पर भारित औसत ऋण दर (डब्ल्यूएएलआर) में सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान 10 आधार अंक (बीपीएस) और पिछले एक वर्ष में 61 बीपीएस की गिरावट आई।

अजीत प्रसाद
निदेशक (संचार)

प्रेस प्रकाशनी: 2021-2022/1448